अध्याय 2

संबंधित साहित्य की समीक्षा

एक साहित्य समीक्षा किसी विषय पर पिछले शोध का एक व्यापक सारांश है। साहित्य समीक्षा अनुसंधान के एक विशेष क्षेत्र के लिए प्रासंगिक विद्वानों के लेखों, पुस्तकों और अन्य स्रोतों का सर्वेक्षण करती है।

मैंने अपने शोध के लिए निम्नलिखित संबंधित साहित्य की समीक्षा किया हूँ, जो की इस प्रकार से है।

2.1 आर राजशेखर 2020 ई.: - इस शोध का शीर्षक **Teachers Opinion towards Dropout Children with Respect to Category and Types of School** है। इस अध्ययन का उद्देश्य ड्रॉपआउट बच्चों के प्रति शिक्षकों की राय श्रेणी और स्कूल के प्रकार के संदर्भ में जानने के लिए था। यह अध्ययन गुणात्मक और मात्रात्मक दोनों तरीकों का उपयोग करके आयोजित किया गया था। वर्णित मंडलों और तेलंगाना राज्य के महबूबनगर जिले के गाँव के क्षेत्र भ्रमण के माध्यम से शोधकर्ता द्वारा डेटा एकत्र करना था इस अध्ययन के लिए शोधकर्ता ने निर्णयात्मक/उद्देश्यीय प्रतिचयन तकनीक को अपनाया था। 400 का एक नमूना तैयार किया गया जिसमें ड्रॉप आउट छात्र शामिल थे।

इस अध्ययन का निष्कर्ष यह था कि स्कूल की श्रेणी और प्रकार के संबंध में स्कूल छोड़ने वाले बच्चों के प्रति शिक्षकों की राय में महत्वपूर्ण अंतर है।

2.2 हरिकुमर पल्लथडका, डोलप्रिया देवी मनोहरमयुम, लक्ष्मी किराना पल्लथडका, वशिष्ठ राम रंजन मक्की 2021 ई.: - इस शोध का शीर्षक **School Education According to Indian National Education Policy 2020 – A Case Study** है। इस अध्ययन का उद्देश्य भारतीय राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार स्कूली शिक्षा 2020 ई. - यह एक केस स्टडी था इस अध्ययन में प्रयुक्त पद्धति माध्यमिक और प्राथमिक स्रोतों से जानकारी एकत्र करके थी। अवधारणा को समझने के लिए जिन स्रोतों का उपयोग किया गया था, वे एनईपी 2020 ई. के मसौदे पर विभिन्न लेख थे। 30 उत्तरदाताओं का राय प्रश्नावली के माध्यम से संकलन किया गया था।

इस अध्ययन का निष्कर्ष यह था की बुद्धिजीवियों को समझना चाहिए कि वे भविष्य के लिए युवा दिमागों को ढाल रहे हैं, और तैयार कर रहे हैं; इसलिए सुधारों के साथ आना स्वीकार्य है, लेकिन साथ ही, मौजूदा व्यवस्था की खामियों पर विचार करना भी प्राथमिकता है। एनईपी 2020 ई. का उद्देश्य देश में लागू होने के बाद इसे पूरा करना होगा।

2.3 वीना एस अलगुर 2013 ई.: - इस शोध का शीर्षक **High School Teachers' Opinion about Sex Education for Adolescents** है। इस अध्ययन का उद्देश्य किशोरों के लिए यौन शिक्षा के बारे में हाई स्कूल के शिक्षकों की राय को जानने के लिए था, यह अध्ययन गुणात्मक और मात्रात्मक तरीकों का उपयोग करके आयोजित किया गया था,

अनुसंधान सामग्री और तरीके :- अध्ययन क्षेत्र के लिए बीजापुर जिला का चयन किया गया था, अध्ययन डिजाइन: क्रॉस सेक्शनल था ,अध्ययन सेटिंग: हाई स्कूल स्तर के कुल 30 स्कूलों को कवर किया गया था। नमूना आकार के तौर पे 162 शिक्षक को लिया गया था, अध्ययन अवधि: नवंबर 2010 से मार्च 2011,तक की थी। अध्ययन तकनीक: प्रश्नावली व सांख्यिकीय विश्लेषण के लिए प्रतिशत और ची वर्ग का उपयोग किया गया था।

इस अध्ययन का निष्कर्ष यह था की यौन शिक्षा जैसे मुद्दों पर शिक्षकों की राय पर अधिक ध्यान देने की नितांत आवश्यकता है, यह पहलू किशोरों की वृद्धि और विकास का एक महत्वपूर्ण घटक है। इस प्रकार शिक्षक अपनी नियमित गतिविधियों के साथ-साथ अपनी राय और तर्कसंगत दृष्टिकोण में एक साधारण परिवर्तन द्वारा उचित कार्रवाई कर सकते हैं जो किशोरों के स्वास्थ्य और पूर्ण कल्याण, कई एसटीडी/एचआईवी/एड्स की रोकथाम और प्रजनन स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान करने में बहुत योगदान दे सकता है। इस प्रकार शिक्षक किशोरों के जीवन की गुणवत्ता में योगदान कर सकते हैं जिससे राष्ट्रीय विकास होता है।

2.4 निविथरा.एस., डॉ.डी.वेझावेंथन 2020: - इस शोध का शीर्षक Public Opinion on the New Education Policy 2020 है। इस अध्ययन का उद्देश्य नई शिक्षा नीति 2020 पर जनता के राय को जानना था।

अनुसंधान सामग्री और तरीके :- शोधकर्ता ने एक प्रश्नावली के आधार पर आम जनता से प्रतिक्रिया मांगने पर एक अनुभवजन्य अध्ययन करके डेटा का प्राथमिक स्रोत प्राप्त किया और डेटा के माध्यमिक स्रोतों जैसे कि किताबें, पत्रिकाएं, ई-स्रोत, लेख और समाचार पत्र पर भी भरोसा किया। यहां अपनाई गई शोध पद्धति अनुभवजन्य शोध है। कुल 200 नमूने लिए गए थे, जिनमें से सुविधाजनक नमूनाकरण विधियों के माध्यम से लिए गए हैं। शोधकर्ता द्वारा लिए गए नमूना फ्रेम में विभिन्न छात्र और उनके माता-पिता विशेष रूप से मदुरै, चेन्नई और बैंगलोर के ग्रामीण हिस्सों से संबंधित थे । स्वतंत्र चर आयु, लिंग और व्यवसाय था। शोधकर्ता द्वारा उपयोग किया जाने वाला सांख्यिकीय उपकरण चित्रमय प्रतिनिधित्व था।

इस अध्ययन का निष्कर्ष यह था की उम्र और वरीयता के बीच एक महत्वपूर्ण संबंध है कि जनसंख्या नई शिक्षा नीति 2020 के बारे में जागरूक है।

2.5.एम. मारुथवनन 2019 :- इस शोध का शीर्षक **A Study on the Awareness on New Education Policy (2019) among the Secondary School Teachers in Madurai District** है। इस अध्ययन का उद्देश्य मदुरै जिले में माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के बीच नई शिक्षा नीति (2019) पर जागरूकता पर एक अध्ययन करना था अन्वेषक ने मदुरै जिले में माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के बीच राष्ट्रीय शिक्षा नीति जागरूकता का अध्ययन करने के लिए जनसंख्या से डेटा एकत्र करने के लिए एक सर्वेक्षण पद्धति को अपनाया गया था।

अनुसंधान सामग्री और तरीके :- अन्वेषक ने डेटा एकत्र करने के लिए एक सरल यादृच्छिक नमूना विधि अपनाई। विभिन्न माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों से कुल 200 डेटा एकत्र किए गए थे , अन्वेषक ने राष्ट्रीय शैक्षिक नीति (2019) जागरूकता उपकरण तैयार किया गया था। अनुसंधानकर्ता ने वर्तमान अध्ययन में आँकड़ों को एकत्रित करने के लिए एक उपकरण के रूप में बहुविकल्पीय प्रकार की प्रश्नावली का चयन किया गया था। डिवाइस में राष्ट्रीय शैक्षिक नीति (2019) जागरूकता से संबंधित 25 आइटम शामिल किया गया था। । विशेषज्ञों द्वारा डिवाइस की वैधता और विश्वसनीयता की जांच और सुधार किए गए थे ।

इस अध्ययन का निष्कर्ष यह था की आमतौर पर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (2019) के बारे में कम जागरूकता है। आम तौर पर, महिला शिक्षकों के पास हाल के विकास के बारे में जानने का पर्याप्त इरादा नहीं है। सुस्त व्यवहार के कारण हाल के अद्यतनों के बारे में जानने के लिए दस साल से अधिक सेवा प्राप्त शिक्षकों की रुचि नहीं है। एकल परिवार के शिक्षकों के पास अन्य लोगों के साथ बातचीत करने का कोई तरीका नहीं है, इसलिए उनमें जागरूकता कम है; राष्ट्रीय शिक्षा नीति (2019) से गंभीरता से अवगत कराने के लिए सरकार को जागरूकता कार्यक्रमों की व्यवस्था करनी चाहिए।

2.6. श्री अभय मौर्य और डॉ अंजुम अहमद :- इस शोध का शीर्षक THE NEW EDUCATION POLICY 2020: ADDRESSING THE CHALLENGES OF EDUCATION IN MODERN INDIA है। इस अध्ययन का उद्देश्य मौजूदा शिक्षा प्रणाली में खामियों को समझना और उपचारात्मक उपायों का सुझाव देना है।

अनुसंधान सामग्री और तरीके :- अपनाई गई कार्यप्रणाली माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित निर्णयों के आलोक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर चर्चा करती है और भविष्य कहनेवाला विश्लेषण (ऐथल और ऐथल, 2020) की प्रक्रिया का उपयोग करते हुए वर्तमान नीतियों के साथ इसकी तुलना करती है।

इस अध्ययन का निष्कर्ष यह था की हमारी एक एकीकृत शिक्षा नीति शिक्षार्थियों के मन में विचार, बुद्धि, आत्मा और कर्म सहित सभी पहलुओं में भारतीय होने का गहरा गर्व पैदा करेगी। नई शिक्षा नीति हमारे शिक्षार्थियों को जिम्मेदार नागरिकों में भी बदल देगी जो मानवाधिकारों के लिए प्रतिबद्ध हैं और सतत विकास लाएंगे, जिससे वे वास्तव में वैश्विक नागरिक बन जाएंगे।